चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 30.4.2021 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-5.....

'प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रो. काम्बोज'

वर्कशॉप में वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों ने रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग पर जताई चिंता

हिसार, 29 अप्रैल (पंकेस): वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की ऊर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की ऊर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की, ताकि उनकी आमदनी में लाभ हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं।

उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बैड प्लांटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया।

कृषि वैज्ञानिकों व अधिकारियों की कार्यशाला में संबोधित करते मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

फसल अवशेष प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती : सुनीता मिश्रा

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधिकरण के लिए 'मेरा पानी मेरी विरासत' नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें।

नई सिफारिशों के लिए हुआ मंथन : विस्तार शिक्षा निदेशक

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। प्रदेश के कृषि विभाग की विस्तार गतिविधियों को लेकर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. एस.के. गहलावत ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 30.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : कांबोज

कृषि वैज्ञानिकों व अधिकारियों की कार्यशाला में पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य। ● विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा।

यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप(खरीफ)को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डा. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती : अतिरिक्त मुख्य सचिव: कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधिकरण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डा. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 30.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6-7.....

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रो. बीआर काम्बोज

हिसार | वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे एचएयू में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप (खरीफ) को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे। कुलसचिव डॉ.राजवीर सिंह, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 30.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-4.....

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रो. कांबोज

एचएयू वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायन के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं प्रदेश सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप(खरीफ)को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह आईएएस भी मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, सह निदेशक डॉ. सुनील ढांडा शामिल हुए।

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति व अन्य अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....The Tribune.....

दिनांक 30.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

COURSE ON RESEARCH MGMT ENDS

Hisar: A refresher course on the topic 'research management', which was organised in the Human Resources Management Department of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU) concluded on Thursday. BR Kamboj, Vice Chancellor of the university, said collective efforts and coordination would bring about better results in the field of research in agriculture. Atul Dhingra, HRM director, said 48 participants from different states attended the three-day online refresher course, instrumentation, artificial intelligence and their applications.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 29.4.2021 पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....4-5.....

वानिकी पौधे उगाने के लिए चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल न करें किसान

एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को दे रहे टिप्स

महबूब अली | हिसार

वानिकी पौधे इमारती शीशम, कीकर, नीम, सफेदा, पोपुलर, सांगवान, जामुन, पीपल, बड़, अर्जुन ट्री, सहजना को उगाने के लिए चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बल्कि मिट्टी भूरभूरी, रेतीली व उपजाऊ होनी चाहिए। एचएयू के वैज्ञानिकों की जांच में पुष्टि हुई है कि चिकनी मिट्टी में वानिकी पौधे अधिक विकास नहीं कर पाते है। इस मिट्टी में जहां वायु का प्रवेश, पानी की निकासी सही से नहीं हो पाती है। वहीं गर्मी के मौसम में मिट्टी में दरारें भी पड़नी लगती है। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को वानिकी पौधे लगाने की तकनीक के बारे में ऑनलाइन टिप्स दे रहे हैं। एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र के डा. अशोक कुमार देशवाल, जग नारायण यादव व राजेंद्र कुमार ने बताया कि प्राकृतिक रुप से यदि कोई पौधा काटने के बाद नही उगता है तो पौधे बीज द्वारा या कलमों की सीधी रोपाई कर उगा सकते हैं।

अच्छी पौध के लिए भूमि और बिजाई तकनीक का रखें ध्यान

- **स्थान:** वानिकी पौधशाला का क्षेत्र वृक्षारोपण वाले क्षेत्र के मध्य होना चाहिए। पौधशाला ऐसे स्थान पर हो जहां सुगमता से मजदूर की आवश्यकता पूरी हो सके। पौधशाला के स्थान पर अच्छी सिंचाई की सुविधा होनी चाहिए।
- **भूमि:** पौधशाला के लिए भुरभुरी व रेतीली मिट्टी चाहिए। पौधशाला बनाने में चिकनी मिट्टी प्रयोग करें।
- **बिजाई:** पौधशालाओं में बीजों या कलमों को क्यारियों में बीजना चाहिए। बिजाई की दूरी 5 सेमी हो। यदि बीज नजदीक बोए गए हों तो अंकुरित होने के बाद ज्यादा पौधों को दूसरी क्यारी में प्रत्यारोपित करें।
- **पॉलीथिन की थैलियों में बिजाई:** बीज लगाने के लिए 200 गज की व 22.5×12.5 सेमी की पॉलीथिन में मिट्टी, गोबर खाद व रेत के मिश्रण में बिजाई करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 30.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-6.....

हकृवि के समय में हुआ बदलाव

1 मई से सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार, 29 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय 1 मई से सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राजवीर सिंह ने बताया कि एक मई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने के समय में बदलाव कर दिया गया है, इसके बाद कार्यालय खुलने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा।

मौजूदा समय में पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यालय के समय को कम करने का

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार।

फैसला लिया है। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की सख्ती से अनुपालना की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान फैकल्टी हाऊस, फैकल्टी क्लब, कर्मचारी कम्युनिटी सेंटर और किसान आश्रम की सेवाएं बंद रहेंगी।

वाहनों के साथ केवल एक नंबर गेट से ही कर सकेंगे प्रवेश

उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। इसके लिए भी गेट पास व पहचान-पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल पहली शिफ्ट में प्रात 8 से दोपहर 12 बजे और दूसरी शिफ्ट में सांयकाल 4 बजे से साढ़े पांच बजे तक खुला रहेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए दुकानें व बूथ जिला प्रशासन द्वारा जारी हिदायतों अनुसार ही खोले जाएंगे। इसके अलावा कार्यालय में आने वाले कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कोरोना के संबंध में जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन करना होगा। इसके लिए कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक कार्य होने पर ही दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... हरि भूमि ....

दिनांक 30.4.2021 ... पृष्ठ संख्या ...... 9 ...... कॉलम ..... 7-8 ......

एचएयू में आठ से एक बजे तक खुलेंगे दफ्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक मई से प्रातः 8 बजे से दोपहर एक बजे तक खुले रहेंगे। एक मई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने के समय में बदलाव कर दिया गया है, इसके बाद कार्यालय खुलने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सरकार की जारी हिदायतों की सख्ती से अनुपालना की जा रही है। इस दौरान फैकल्टी हाउस, फैकल्टी क्लब, कर्मचारी कम्युनिटी सेंटर और किसान आश्रम की सेवाएं बंद रहेंगी। अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। गेट पास तथा पहचान-पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। विवि का कैंपस हॉस्पिटल पहली शिफ्ट में प्रातः 8 से दोपहर 12 बजे और दूसरी शिफ्ट में सांयकाल 4 बजे से साढ़े पांच बजे तक खुला रहेगा। विश्वविद्यालय में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए दुकानें हिदायत अनुसार खोली जाएंगी।

समय में बदलाव

मौजूदा समय में पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस तथा विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यालय के समय को कम करने का फैसला लिया है। किसी भी कर्मचारी को जरूरी कार्य होने पर दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति होगी।

-डॉ. राजवीर सिंह,
कुलसचिव, हकृवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 3.5.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-6.....

एचएयू : एक मई से सुबह 8 से एक बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक मई से खुलने के समय में बदलाव कर दिया है। कार्यालय खुलने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा। अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा।

कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि इस दौरान फैकल्टी हाउस, फैकल्टी क्लब, कर्मचारी कम्यूनिटी सेंटर और किसान आश्रम की सेवाएं बंद रहेंगी। विश्वविद्यालय का कैंपस अस्पताल पहली शिफ्ट में प्रातः 8 से दोपहर 12 बजे और दूसरी शिफ्ट में सायंकाल 4 बजे से साढ़े पांच बजे तक खुला रहेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए दुकानें व बूथ जिला प्रशासन द्वारा जारी हिदायतों अनुसार ही खोले जाएंगे। एचएयू के गेट नंबर चार को कर्मचारियों के लिए सुबह सात से 8:15 तक और दोपहर 1:00 से 1:30 बजे तक खोला जाएगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 30.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

'एच.ए.यू. के समय में बदलाव, 1 व 4 नंबर गेट खुला रहेगा'

विवि में प्रवेश के लिए दिखाना होगा गेट पास व पहचान पत्र

हिसार, 29 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि एक मई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने के समय में बदलाव कर दिया गया है। इसके बाद कार्यालय खुलने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा।

मौजूदा समय में पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यालय के समय को कम करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान फैकल्टी हाऊस, फैकल्टी क्लब, कर्मचारी कम्युनिटी सैंटर और किसान आश्रम की सेवाएं बंद रहेंगी।

उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल 1 व 4 नंबर गेट ही खुला रहेगा। इसके लिए भी गेट पास व पहचान-पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। गेट-4 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए सुबह 7:45 से 8:15 बजे तक खुला रहेगा।

इसी प्रकार दोपहर 1 बजे से 1.30 बजे तक खुला रहेगा। विश्वविद्यालय का कैंपस अस्पताल पहली शिफ्ट में प्रात: 8 से दोपहर 12 बजे और दूसरी शिफ्ट में सायंकाल 4 बजे से साढ़े 5 बजे तक खुला रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..30..4..2021...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....8.....

एचएयू : पहली मई से सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक खुलेंगे ऑफिस

हिसार | एचएयू के कार्यालय 1 मई से सुबह 8 से दोपहर एक बजे तक खुले रहेंगे। एचएयू के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि 1 मई से एचएयू के कार्यालय खुलने के समय में बदलाव किया है। यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। कोरोना रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना की जा रही है। इस दौरान फैकल्टी हाउस, फैकल्टी क्लब, कर्मचारी कम्युनिटी सेंटर और किसान आश्रम की सेवाएं बंद रहेंगी। अब एचएयू में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट खुला रहेगा। एचएयू का कैंपस हॉस्पिटल पहली शिफ्ट में सुबहः 8 से दोपहर 12 बजे और दूसरी शिफ्ट में शाम 4 से साढ़े पांच बजे तक खुला रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टुडे	30.4.2021	--	--

एचएयू के बाहरी केंद्रों पर वैक्सीनेशन कैम्प शुरू

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन कैम्प की शुरूआत हो चुकी है। इसी के तहत प्रथम चरण में कृषि विज्ञान केंद्र दामला(यमुनानगर) से इस अभियान को शुरू किया गया है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि पहले चरण में दामला कृषि विज्ञान केंद्र पर केंद्र से जुड़े किसानों के लिए यह अभियान चलाया गया था, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े क्षेत्र के किसानों को वैक्सीन लगाई गई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में प्रदेश में विश्वविद्यालय के अन्य बाहरी केंद्रों पर भी अब लगातार इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करते

हुए उन्हें जागरूक करने को कहा गया है ताकि वैक्सीन के संबंध में किसानों के मन में किसी प्रकार की कोई भ्रांति न रहे। इसके अलावा संबंधित जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल ऑफिसर से वैक्सीन की उपलब्धता और तकनीकी सहायता के लिए भी संपर्क किया जा रहा है। कैम्प के लिए प्रत्येक केंद्र पर एक वैज्ञानिक की नोडल अधिकारी के रूप में ड्यूटी लगाई गई है, जो लगातार कैंप को लेकर सभी तैयारियों की रिपोर्ट मुख्यालय में देते रहेंगे। कैम्प के दौरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पूरी तरह से पालना की जाएगी। विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके परिजनों व विद्यार्थियों के लिए अब तक सात वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं और छह टेस्टिंग कैम्प भी लगाए गए हैं। वैक्सीनेशन कैंप की सफलता के लिए लोगों को प्रेरित करते हुए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि लोगों में वैक्सीन को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके और वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	30.04.2021	--	--

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 30 अप्रैल : वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी

आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कुलपति ने भविष्य में इस तरह की कार्यशाला में प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को भी शामिल करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश के अन्य किसानों को भी इनकी सफलता से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बेड प्लांटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधिकरण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ.राजवीर सिंह, डॉ. रामनिवास, डॉ. एस.के. गहलावत, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा के अलावा निदेशक, विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 29.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-6.....

'2 दिन बंद रहेगी एच.ए.यू., किया जाएगा सैनिटाइज'

हिसार, 28 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी 2 दिनों के लिए बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इन 2 दिनों के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज कराया जाएगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल होंगे। यह सैनिटाइजेशन अभियान इस कमेटी की निगरानी में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन माध्यम से होने वाली कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। हालांकि इस दौरान केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में अगर किसी कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत नियंत्रण अधिकारी को देनी होगी।